

२५¹/_{२३}

पतावली जंग इष्ट/ कबील पार्श्व व पार्श्व की आवाज
लगाई ११.५५ बर-बर आवाज लगाने के वायुदुर्घ
कबील पार्श्व व पार्श्व ग्यातालय में ए।पि। वही होने
पर आकेत पक्षगरी अकत ए।पि। अकत जेवकी
में अक्षरिण किता पाता है पतावली जंगल पुकार
होकर लम्बे लम्बे लम्बे होकर दक्षिण पक्ष है